गजब: छात्र न लैब...यह कैसे कालेज?

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह ने बुधवार को रूड़की क्षेत्र में विवि से एफिलिएटिड फार्मेसी कालेज-आरसीपी, व इंजीनियरिंग कालेज-आईटीआर और मैनेजमेंट संस्थान-आरसीएम का अकैडमिक औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जब कुलपति कक्षाओं में पहुंचे तो उन्हें फार्मेसी कालेज में प्रथम वर्ष व चतुर्थ वर्ष के छात्र कक्षा में नहीं पाए गए, कक्षाये खाली मिली। द्वितीय वर्ष की कक्षा मे भी कुल पंजीकृत 28 छात्रों की संख्या में से मात्र चार छात्र ही कक्षा में उपस्थित पाए गए। कक्षाओं की व्यवस्था देखा कुलपति ने तत्काल अकैडमिक प्रशासन को छात्रों के उपस्थित रजिस्टर मांगे तो वह भी

■ शाह कुलपति के दौरे से खुली आरसीपी, आईटीआर व आरसीएम कालेज की पोल

आज तक नहीं बने और न ही छात्रों की लैब कराई जाती हैं जो कि अत्यंत ही गंभीर और चिंताजनक है जबकि विश्वविद्यालय का अकैडमिक सत्र 16 अगस्त से शुरू हो चुका था। कुल. पति ने अपने सामने ही उपस्थित रजिस्टर तैयार करवाये। यही नहीं इन कालेजों की और से विवि को भी उपस्थित का रिकॉर्ड नहीं भेजा गया। फार्मेसी कालेज जैसी स्थिति आईटीआर इंजीनियरिंग कालेज और आरसीएम मैनेजमेंट कालेज की भी निरीक्षण के दौरान सामने आई है। तीनों कालेजों की स्थिति देख कुलपति बेहद नाराज हुए व उन्होंने कालेज प्रबंधन और कालेज अकैडमिक प्रशासन को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि अकैडमिक व्यवस्था को ध्वस्त करने वाले वातावरण में तत्काल कालेज सुधाकर करें अन्यथा विश्व. विद्यालय को संस्थानों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने की प्रक्रिया अपनानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ ना करें अन्यथा विवि को मजबूरन किसी अन्य विकल्प पर विचार करने को मजबूर होना पड़ेगा। कुलपति ने भविष्य के लिए चेतावनी देते हुए कहा कि तत्काल शैक्षणिक वातावरण को दुरुस्त करे और इस तरह की पुनरावृत्ति पाई जाती है तो छात्रों के हित में संस्थानों के खिलाफ विवि की जाने वाली कार्रवाई के लिए संस्थान स्वयं जिम्मेदार होंगे।